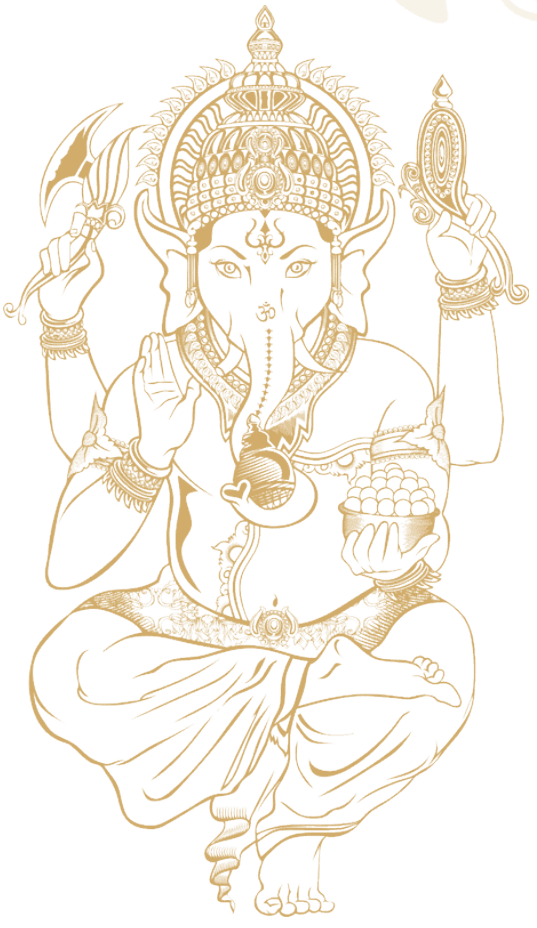

Aman

Sikha

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121293301

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121293301 Date: 16/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/02/1999	जन्म तिथि	10/04/2001
बुधवार	दिन	मंगलवार
घंटे 10:00:00	जन्म समय	12:30:00 घंटे
घटी 08:23:48	जन्म समय(घटी)	16:39:09 घटी
India	देश	India
Durg	स्थान	Durg
21:12:00 उत्तर	अक्षांश	21:12:00 उत्तर
81:20:00 पूर्व	रेखांश	81:20:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:04:40	स्थानिक संस्कार	-00:04:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:38:28	सूर्योदय	05:50:20
17:59:33	सूर्यास्त	18:22:03
23:50:31	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:11

मेष	लग्न	कर्क
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
वृश्चिक	राशि	तुला
मंगल	राशि-स्वामी	शुक्र
अनुराधा	नक्षत्र	विशाखा
शनि	नक्षत्र स्वामी	गुरु
4	चरण	2
व्याघात	योग	सिद्धि
वणिज	करण	वणिज
ने-नैनसुख	जन्म नामाक्षर	तू-तुष्टि
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
विप्र	वर्ण	शूद्र
कीटक	वश्य	मानव
मृग	योनि	व्याघ्र
देव	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
सर्प	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 1वर्ष 6मा 29दि		00:15:04	मेष	लग्न	कर्क	06:55:59	गुरु 10वर्ष 6मा 14दि	
शुक्र		27:08:00	मक	सूर्य	मीन	26:36:04	शनि	
09/09/2024		15:33:26	वृश्चि	चंद्र	तुला	24:33:01	25/10/2011	
09/09/2044		11:37:23	तुला	मंगल	वृश्चि	29:55:40	24/10/2030	
शुक्र	10/01/2028	01:41:28	कुंभ	बुध	मीन	13:16:23	शनि	27/10/2014
सूर्य	09/01/2029	05:32:05	मीन	गुरु	वृष	15:26:21	बुध	07/07/2017
चन्द्र	10/09/2030	21:42:41	कुंभ	शुक्र व	मीन	09:34:11	केतु	15/08/2018
मंगल	10/11/2031	04:32:35	मेष	शनि	वृष	04:54:26	शुक्र	15/10/2021
राहु	10/11/2034	28:18:27	कर्क व	राहु व	मिथु	15:47:41	सूर्य	27/09/2022
गुरु	11/07/2037	28:18:27	मक व	केतु व	धनु	15:47:41	चन्द्र	27/04/2024
शनि	09/09/2040	19:23:28	मक	हर्ष	मक	29:59:59	मंगल	06/06/2025
बुध	11/07/2043	08:43:10	मक	नेप	मक	14:39:02	राहु	12/04/2028
केतु	09/09/2044	16:22:01	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	21:15:43	गुरु	24/10/2030

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:31 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:11

लग्न-चलित

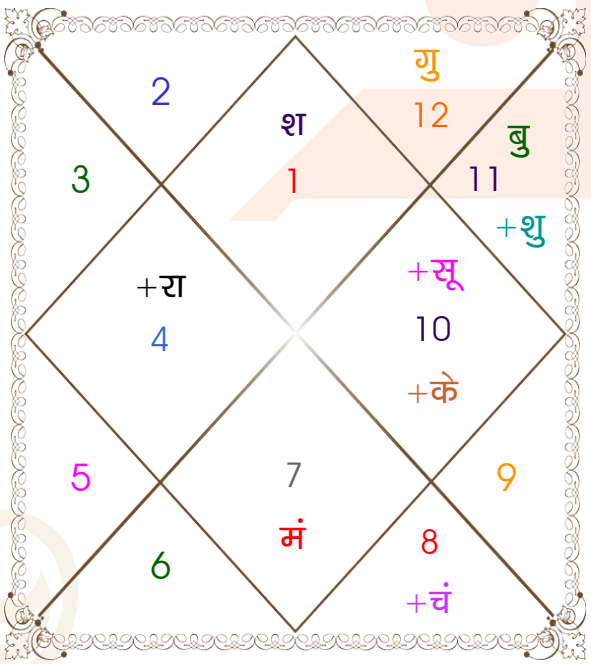

लग्न-चलित

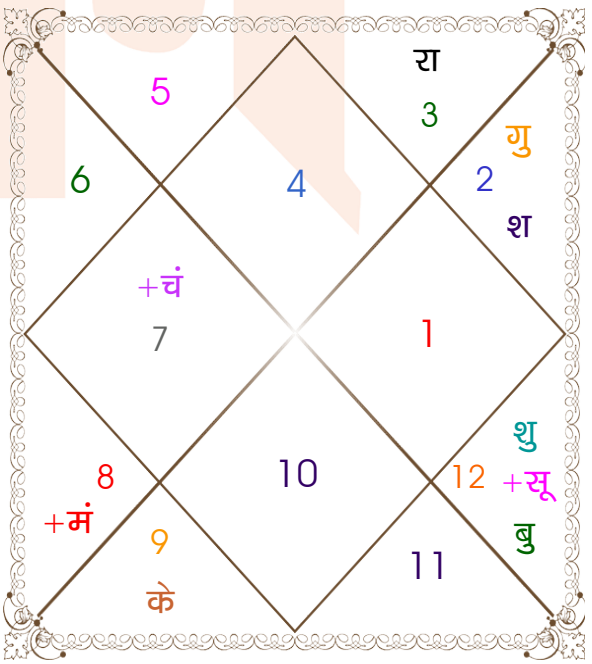

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

कुल : **18 / 36**

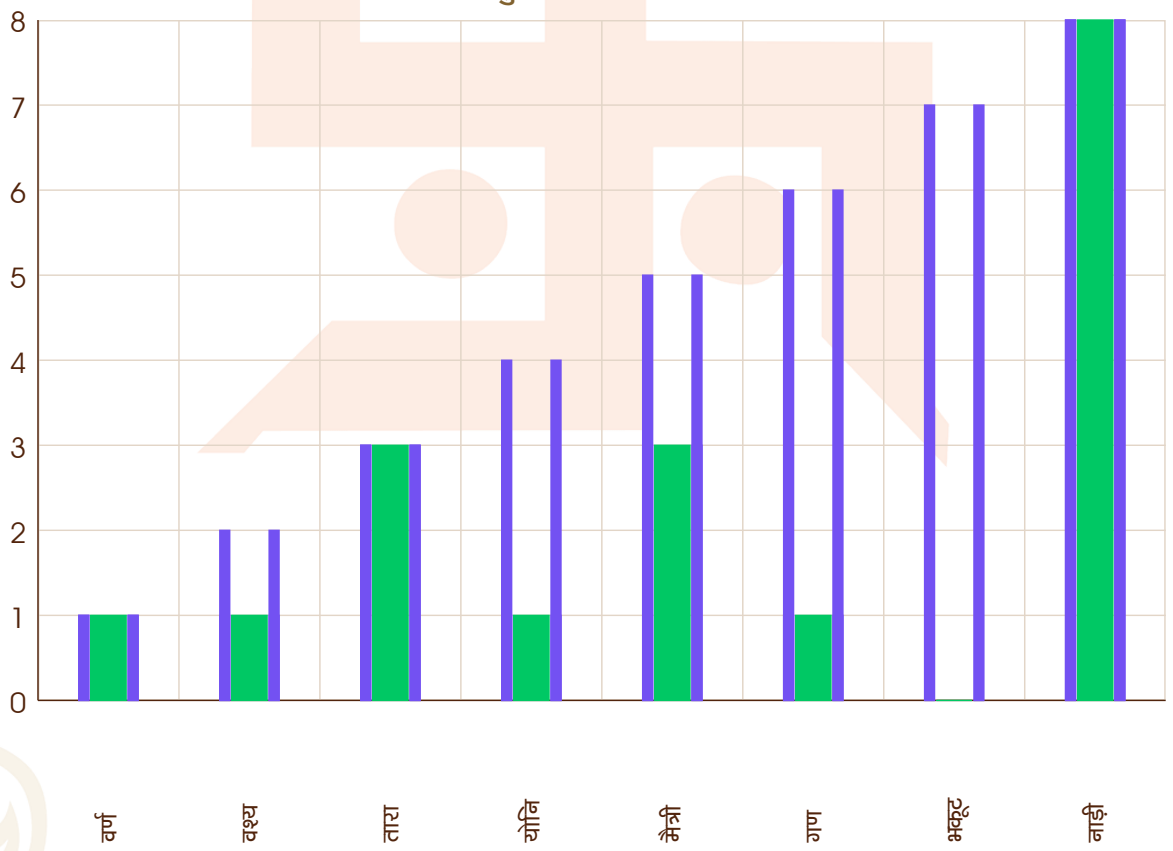

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

इस मिलान में नक्षत्र दोष भी विधमान है।

Aman का वर्ग सर्प है तथा Sikha का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Aman और Sikha का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Aman मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

Sikha मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Sikha कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Aman तथा Sikha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Aman का वर्ण ब्राह्मण तथा Sikha का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Sikha सभी को मान एवं प्रतिष्ठा देती है तथा सेवा करती रहेंगी। साथ ही वह सबकी अपेक्षाओं को पूरा करती रहेंगी तथा किसी के भी साथ तर्क-वितर्क नहीं करेंगी। Sikha एक नर्स की भाँति अपने पति एवं बच्चों की सेवा एवं तिमारदारी करती रहेंगी।

वश्य

Aman का वश्य कीट है एवं Sikha का वश्य द्विपद है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। कीट Aman एवं मनुष्य Sikha के विवाह को स्वीकार्यहै किंतु दोनों के बीच हितों का संघर्ष होता रहेगा एवं सहयोग एवं आपसी समझ की कमी बनी रहेगी। कभी कभी परस्पर शत्रुता की भावना भी विकसित हो सकती है। जो इनके दांपत्य जीवन को बाधित कर सकता है तथा विकास एवं समृद्धि को प्रभावित कर सकता है। Aman एवं Sikha बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे तथा कटुता, संदेह एवं तनाव का माहौल बना रह सकता है।

तारा

Aman की तारा सम्पत तथा Sikha की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से Aman एवं Sikha दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। Sikha एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

Aman की योनि मृग है तथा Sikha की योनि व्याघ्र है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार

में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Aman एवं Sikha दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

Aman का गण देव तथा Sikha का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में Sikha निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। Sikha की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

Aman से Sikha की राशि द्वादश भाव में स्थित है Sikha से Aman की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में Aman परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु Sikha का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। Sikha की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही Sikha तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

नाड़ी

Aman की नाड़ी मध्य है तथा Sikha की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण Aman एवं Sikha के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Aman की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा Sikha की वायुतत्व युक्त तुला राशि है। वायु एवं जल में नैसर्गिक विषमता होने के कारण Aman और Sikha के मध्य स्वाभाविक असमानताएं विद्यमान होंगी जिससे परस्पर संबंधों में तनाव रहेगा तथा वैवाहिक जीवन में परेशानी की अनुभूति करेंगे। अतः यह मिलान उत्तम नहीं रहेगा।

Aman की राशि का स्वामी मंगल तथा Sikha की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर सम राशि में स्थित है। इसके प्रभाव से Aman और Sikha दोनों का परस्पर उदासीन भाव रहेगा इससे दोनों के संबंध सामान्य रहेंगे तथा न इनमें अधिक कटुता रहेगी तथा न ही कोई विशेष मधुरता। तथापि परस्पर सामंजस्य की प्रवृति से आपस में सदभाव तथा सहानुभूति बनी रहेगी एवं एक दूसरे को सुख दुख में सहयोग प्रदान करते रहेंगे फलतः वैवाहिक जीवन में सुख शांति बनी रहेगी।

Aman एवं Sikha की राशियां परस्पर द्वादश एवं द्वितीय भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से इनके मध्य शारीरिक मानसिक तथा अन्य विषमताएं विद्यमान होंगी जिससे संबंधों में तनाव रहेगा। वे एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे परस्पर वैमनस्य तथा विरोध के भाव में वृद्धि होगी तथा एक दूसरे को श्रेष्ठ समझने की प्रवृति से आलोचनात्मक दृष्टि कोण भी रहेगा। फलतः वैवाहिक जीवन में अशांति तथा कटुता बनी रहेगी।

Aman का वश्य कीट तथा Sikha का वश्य मानव है। मानव एवं कीट में नैसर्गिक शत्रुता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक आवश्यकताओं में भी विषमता रहेगी। अतः दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Aman का वर्ण ब्राह्मण तथा Sikha का वर्ण शूद्र है। अतः इनकी कार्य क्षमता भी अलग अलग होगी। Aman शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्य कलापों में रूचिशील होंगे लेकिन Sikha की प्रवृति किसी भी कार्य को बिना किसी चुनाव के परिश्रम पूर्वक करने की रहेगी।

धन

Aman की तारा सम्पत तथा Sikha की तारा अतिमित्र है। ये दोनों ताराएं शुभ मानी जाती हैं। अतः इसके प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं सम्पति को अर्जित करने में समर्थ होंगे। Aman और Sikha की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है जो भकूट दोष माना जाता है। लेकिन मंगल भी आर्थिक स्थिति से इनको सम्पन्न करेगा जिससे भकूट दोष का प्रभाव न्यून होगा तथा उनका जीवन धनऐश्वर्य से सम्पन्न होकर सुख पूर्वक व्यतीत होगा एवं भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में भी वे समर्थ रहेंगे।

भकूट दोष के कारण Aman की प्रवृति अधिक व्यय करने की रहेगी लेकिन तारा के शुभ प्रभाव से इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं होगा तथा धन की भी कमी नहीं आएगी जिससे जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

स्वास्थ्य

Aman मध्य नाड़ी तथा Sikha अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुई है। अतः दोनों की नाड़ी अलग अलग होने के कारण इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव नहीं होगा फलतः शारीरिक रूप से दोनों सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे परन्तु Sikha के स्वास्थ्य पर मंगल का अशुभ प्रभाव होगा जिससे वे रक्त या पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगी तथा यदा कदा हृदय संबंधी कष्ट भी हो सकता है। साथ ही गुप्त रोग या मासिक धर्म संबंधी असुविधा भी समय समय पर होती रहेगी। Sikha सुख के क्षणों में भी यदा कदा उदासीनता के भाव का प्रदर्शन करेंगी जिससे परस्पर संबंधों में तनाव का भाव विद्यमान होगा। अतः मंगल के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए Sikha को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी सम्पन्न करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Aman और Sikha का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Aman और Sikha के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Sikha के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Sikha को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Sikha को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Aman और Sikha सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Aman और Sikha का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Sikha के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि Sikha धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो

सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से Sikha के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी Sikha का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी Sikha से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

Aman के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Aman अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Aman के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Aman के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।